19.04.2022 अतिथि व्याख्यान

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में आज दिनांक 19-04-2022 को संस्कृत विभाग के अंतर्गत अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व में समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। इसी श्रंखला में शीर्षक "श्रीमद्भगवद्गीता" में आत्म -प्रबंधन के दार्शनिक आधार" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली से एसोसिएट प्रोफेसर "डॉ. सरिता शर्मा" को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। अतिथि मोहदया ने वेद की वैज्ञानिकता और उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए सरल भाषा में श्रीमद्भगवद्गीता में आत्म प्रबंधन पर अपने विचार हमसे सांझा किये। पूरे विश्व में पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति जैसी संस्कृति नहीं है। इस बात का इतिहास भी गवाह है। बहुत ही रोचक तरीके से आचार्य जी ने बताया कि गीता संस्कृत भाषा का एक ऐसा ग्रंथ है जो पूरी दुनिया को आत्म प्रबंधन कैसे करें यह सिखाती है। कर्म करना हमारे हाथ में है फल नहीं और कर्म करना ही सबसे बड़ा धर्म बताया है।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि ॥

व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों ने प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा अतिथि के समक्ष रखी। अतिथि महोदया ने बड़ी प्रशंसा और सहजता के साथ सभी की जिज्ञासा को शांत किया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता जी के मार्गदर्शन में संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ० पूजा सैनी की देखरेख में किया गया। अंत में विभागाध्यक्षा डॉ० पूजा सैनी ने महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता जी का, अतिथि महोदया का और सभी श्रोतागण का धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा सुजाता ने किया। इस व्याख्यान में 56 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।